

B. A. 5th Semester (General) Examination, 2020 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : GE-1**

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेहस्मिन् Group-A and Group-B इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चयतया, ततश्च यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधातव्याः।

এই প্রশ্নপত্রে Group-A এবং Group-B এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

**Group-A**

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु षट्प्रश्नामनुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्। 5×6=30  
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখ।)

a) व्याख्यानम्

5

व्याख्या कर

यदि न प्रणयेद्राजा दण्डं दण्डेषुतन्द्रितः।

शूले मत्स्यानिवापक्यन् दुर्बलान् बलवन्तराः॥

अथवा

एवंबृत्तस्य नृपतेः शिलोङ्घेनापि जीवतः।

विस्तीर्यते यशोलोके तैलविन्दुरिवासि॥

b) भावसम्प्रसारणं क्रियताम्

5

भावसम्प्रसारण कर

भयाद् भोगाय कल्लस্তু স্বধর্মান চলন্তি চ।

अथवा

তানানয়েৎ বশং সর্বান্ সামাদিভিরূপক্রমৈঃ।

- c) मातृभाषया अनुवादः कार्यः। 5  
मातृभाषाय अनुवाद कर।  
बकवच्चिस्तुयेदर्थान् सिंहवच्च पराक्रमेत्।  
बृकवच्चाबलुम्पेत शशवच्च विनिष्पतेत्॥  
अथवा  
यथोद्धरति निर्दाता कम्पं धान्यं च रम्कति।  
तथा रम्केनूपो राष्ट्रं हन्याच्च परिपञ्चिनः॥
- d) नातिदीर्घा टीका रचनीया। (यथेच्छं द्वयोः) 5  
संक्षेपे टीका लेख। (ये कोन दुटि)  
(i) कौटिल्यः, (ii) निसृष्टार्थः दूतः, (iii) परिमितार्थः दूतः
- e) गूढपुरुषः कः भवति? गूढपुरुषदूतयोः पार्थक्यं किमस्ति? 5  
गूढपुरुष कके बले? गूढपुरुषेर सङ्गे दूतेर पार्थक्य कि?
- f) दूतस्य गुणवली संक्षेपतः वर्णनीया। 5  
दूतेर गुणवली संक्षेपे वर्णना कर।
- g) अर्थशास्त्रे-उपलब्ध 'अर्थ' इति शब्दस्य कोऽर्थः? योगक्षेमविषये आलोच्यताम्। 5  
अर्थशास्त्रे 'अर्थ' बलते कि बोधान ह्येच्छे? योगक्षेम विषये आलोचना कर।
- h) दूतः कतिविधः भवति? कौटिल्यादिशा विव्रियताम्। 5  
दूत कय प्रकार? कौटिल्येर अर्थशास्त्र अबलम्बने विवृत कर।
2. अधोलिखितेषु प्रश्नत्रयस्य उत्तरं दीयताम्। 10×3=30  
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোন তিনটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।)
- a) किं नाम खलु स्मृतिशास्त्रं वा? तव पाठ्यं स्मृतिशास्त्रमधिकृत्य आलोचना विधेया। 10  
स्मृतिशास्त्र वा धर्मशास्त्र बलते कि बोध? तोमार पाठ्य स्मृतिशास्त्र विषये आलोचना कर।
- b) मनुसंहितायां के विषया आलोचिताः। 'नृपस्य परमा सिद्धिः' इति यथा प्रतिपादितम् तथा आलोचनीयम्। 10  
मनुसंहिताय कि कि विषय आलोचित ह्येच्छे? 'नृपस्य परमा सिद्धिः' एति यथावे प्रतिपादित ह्येच्छे सेरुप आलोचना कर।
- c) मनुम् अनुसृत्य उपायचतुष्टयम् आलोच्यताम्। 10  
मनुके अनुसरण करे 'उपायचतुष्टय' आलोचना कर।

- d) मनुम् अनुसृत्य 'षाड्गुण्यम्' आलोच्यताम्। 10  
मनुके अनुसरण करे 'षाड्गुण्य' आलोचना कर।
- e) कौटिल्यादिशा 'दूतप्रणिधिः' विव्रियताम्। 10  
कौटिल्येय मते 'दूतप्रणिधि' वर्णना कर।

**Group-B**

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु षट्प्रश्नाणामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्। 5×6=30  
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখ।
- a) व्याख्यायताम् 5  
व्याख्या कर  
उच्छिद्येत मन्त्रभेदी।  
अथवा  
उपायाः सामोपप्रदानभेददशाः।
- b) भावसम्प्रसारणं क्रियताम् 5  
भावसम्प्रसारण कर  
आकृति-ग्रहणमाकारः।  
अथवा  
पूर्वेण पश्चिमस्यानुपत्तिव्याघातः।
- c) मातृभाषया अनुवादः कार्यः। 5  
मातृभाषाय अनुवाद कर।  
'नैकस्य मन्त्रसिद्धिरस्तीति' विशालाङ्कः। प्रत्यङ्कपरौष्कानुमेया हि राजवृद्धिः। अनुपलक्षस्य ज्ञानमुपलक्षस्य निश्चयवलाधानमर्थद्वैधस्य संशयच्छेदनमेकदेशदृष्टस्य शेषोपलक्षिरिति मन्त्रिसाध्यामेतत्। तस्माद्बुद्धिबुद्धेः सार्धमासीत् मन्त्रम्।  
अथवा  
सर्वशास्त्रान्यनुक्रम्य प्रयोगानुपलभ्य च।  
कौटिल्येय नरेन्द्रार्थे शासनस्य विधिः कृतः॥
- d) नातिदीर्घा टीका रचनीया। (यथेच्छं द्वयोः) 5  
संक्षेपे टीका लेख। (ये कोन दुटि)  
(i) आकारम्, (ii) उपप्रदानम्, (iii) इन्द्रितम्

- e) पार्थक्यं निरूपयताम् 5  
पार्थक्यं निरूपणं कर  
परिदानः-परिहारः  
अथवा  
प्रवृत्तिकः—प्रतिलेखः
- f) 'मन्त्रगुप्तिः' विषये आलोचयताम्। 5  
'मन्त्रगुप्ति' विषये आलोचना कर।
- g) 'मन्त्रभेदः' विषये आलोचयताम्। 5  
'मन्त्रभेद' विषये आलोचना कर।
- h) 'तत्र साम पञ्चविधम्'—किं खलु साम? साम इति विषये आलोचना विधेया। 5  
'तत्र साम पञ्चविधम्—साम कि? साम विषये आलोचना कर।
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु त्रयाणामुत्तरं देयम्। 10×3=30  
निम्नलिखित प्रश्नगुण्डल मध्ये तिनटि प्रश्नेर उत्तर दाओ।
- a) अर्थशास्त्रविषये नातिदीर्घा आलोचना करणीया। 10  
अर्थशास्त्र विषये नातिदीर्घ आलोचना कर।
- b) विष्णुगुप्तम् अनुसृत्य 'मन्त्राधिकार' इति अध्यायस्य वक्तव्यम् आलोचयताम्। 10  
विष्णुगुप्तके अनुसरण करे 'मन्त्राधिकार' नामक अध्यायेर वक्तव्य निजेर भाषाय लेख।
- c) 'शासनाधिकारः' इत्यध्याये विष्णुगुप्तमतम् यथायथमुपपादयताम्। 10  
शासनाधिकार अध्याये विष्णुगुप्तैर अभिमत यथायथभावे उपपादन कर।
- d) 'नैकस्य मन्त्रसिद्धिरस्तीति विशालाङ्कः' इति मन्त्रणाविषयकं मतम् विष्णुगुप्तमनुसृत्य आलोचयताम्। 10  
'नैकस्य मन्त्रसिद्धिरस्तीति विशालाङ्कः' मन्त्रणा विषयक एह अभिमतटि विष्णुगुप्तैर अनुसरणे आलोचना कर।
- e) 'एवं मन्त्रोपलक्षिः संवृतिश्च भवतीति। नेति पिशुनः'—इत्यभिमतम् विष्णुगुप्तमनुसृत्य आलोचयताम्। 10  
'एवं मन्त्रोपलक्षिः संवृतिश्च भवतीति। नेति पिशुनः'—एह अभिमतटि विष्णुगुप्तके अनुसरण करे आलोचना कर।